भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन वभाग

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न संख्या-22**8**
दिनांक **11**.12.**2018** को उत्तर दिए जाने के लए
.....
नवीन परियोजनाएं

228. श्रीमती आर. वनरोजा:
श्री आर.के. भारती मोहन:
श्री पी.आर. सेन थलनाथन:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क:

(क) क्या सरकार के पास त मलनाडु के पूर्वी घाट पर वशेष रूप से चेन्नई और कुड्डामोर के बीच नई रसायन और उर्वरक परियोजनाओं हेतु कोई प्रस्ताव है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;
(ग) उक्त परियोजना हेतु अनुमानित लागत और इस हेतु जुटाई जाने वाली धनरा श का ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार ने उक्त परियोजना के पूरा होने की कोई समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हां, तो तब्संबंधी ब्यौरा क्या है**?**

<u>उत्तर</u>

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री इंद्रजीत संह)

(क और ख) भारत सरकार ने वर्ष 2012 में त मलनाडु के नागापि नम और कुड्डालोर जिलों में पेट्रो लयम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) स्था पत करने के लए त मलनाडु सरकार के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। त मलनाडु पीसीपीआईआर की संकल्पना एक समे कत और पर्यावरण हितैषी तरीके से व्यापक पैमाने पर पेट्रो लयम, रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्रों के संवर्धन के लए क्लस्टर अप्रोच के रूप में की गई थी। त मलनाडु पीसीपीआईआर को त मलनाडु के कुड्डालोर और नागापि नम जिलों में त मलनाडु शहर और ग्रामीण योजना अ धनियम, 1971 के तहत जून, 2017 में पीसीपीआईआर (स्थानीय योजना क्षेत्र) के रूप में अ धसू चत कया गया है।

(ग) पीसीपीआईआर निवेश प्रेरित परियोजनाएं हैं। एक बार पूरी तरह से स्था पत हो जाने पर त मलनाडु पीसीपीआईआर से लगभग 92,500 करोड़ रुपए का निवेश आने की उम्मीद है। त मलनाडु राज्य सरकार ने बताया है क वनिर्माण और आधारभूत ढांचा वकास पर 81,00 करोड़ रुपए का निवेश कया जा चुका है।

(घ) पूर्ण क्षमता प्राप्ति के लए पीसीपीआईआर परियोजनाओं की लगभग 20-25 वर्षों की लंबी तैयारी अव ध है।

*****